www.targetstudyiq.com

समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी (प्री०) परीक्षा - 2016

(अध्यायवार व्याख्यात्मक हल प्रश्न-पत्र)

सामान्य हिन्दी

1. एक वाक्य शुद्ध है

(a) स्वामी विवेकानंद का भाषण सुनकर उपहास उड़ाने वाले अमरीकियों पर घड़ों पानी पड़ गया।

(b) बाजार का साप्ताहिक अवकाश सोमवार को रहता है।

(c) वह दुखी स्त्री वैधव्यता का जीवन बिता रही है।

(d) मैं सपरिवार सानन्दित हूँ।

उत्तर (a)- विकल्प a शुद्ध वाक्य है। विकल्प –b– बाजार का अवकाश नहीं, बल्कि बाजार में 'बन्दी' होती है। 'वैधव्यता' शब्द का प्रयोग सदा स्त्री के लिये ही किया जाता है, अतः अलग से 'स्त्री' शब्द का प्रयोग वाक्य में शब्द द्विरूक्ति के प्रयोग को दर्शाता है। अतः विकल्प c–अशुद्ध वाक्य है। इसी प्रकार विकल्प d में 'सानन्द' अथवा 'आनन्दित' शब्द का प्रयोग उपयुक्त होगा न कि सानन्दित शब्द का प्रयोग।

2. 'सवाल–जवाब', 'बहस–हुज्जत' या 'दिये गये उत्तर पर उत्तर' के लिये एक शब्द है

(a) उत्तरापेक्षी (b) उत्तरण

(c) प्रत्युत्तर (d) उत्तरोत्तर

उत्तर (c)-

वाक्य	एक शब्द
'दिये गये उत्तर पर उत्तर'	प्रत्युत्तर
'पार उतरने की क्रिया'	उत्तरण

'वह जिसने किसी से उत्तर की अपेक्षा की हो'–उत्तरापेक्षी

'एक के बाद एक बढ़ता हुआ क्रम', – उत्तरोत्तर

3. 'मदिरा पीने का प्याला' के लिये एक शब्द है

(a) चश्म (b) चशक

(c) चश्क (d) चषक

उत्तर (d)- 'मदिरा पीने का प्याला' के लिये एक शब्द 'चषक' है। शब्द रचना के अन्तर्गत 'सन्धि' करने में 'क', 'ख', 'ट', 'ठ', 'प' 'फ', के पूर्व आया हुआ विसर्ग (:) हमेशा 'ष', हो जाता है।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ0 वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ0सं0–46

4. जो स्त्री के वशीभूत है, के लिये एक शब्द है

(a) स्त्री प्रेमी (b) स्त्रैण

(c) स्त्रियोचित (d) त्रियावशी

उत्तर (b)- 'जो स्त्री के वशीभूत है', के लिये एक शब्द 'स्त्रैण' है।

5. एक वाक्य शुद्ध है

(a) भारतवर्ष के अतीत में कई निर्दयी शासक हुए हैं।

(b) एकत्रित भीड़ जयजयकार कर रही थी।

(c) गाँधीजी चरखा चलाते थे।

(d) एक–एक करके प्रत्येक छात्र कक्षा से निकल गए।

उत्तर (c)- गाँधी जी चरखा चलाते थे। यह वाक्य शुद्ध है। विकल्प–a, वाक्य में 'निर्दयी', शब्द के स्थान पर 'निर्दय', शब्द का चयन किया जाना चाहिए। विकल्प–b में 'एकत्रित भीड़' शब्द त्रुटिपूर्ण है क्योंकि 'भीड़' स्वयं में 'एकत्रण' को व्यक्त करती है अतः भीड़ के पूर्व 'एकत्रित' शब्द का प्रयोग शब्द प्रयोग के द्विरूक्ति दोष को दर्शाता है। विकल्प–d में 'एक–एक' या प्रत्येक दोनों में से किसी एक का प्रयोग उचित होगा। दोनों का प्रयोग वाक्य में शब्द द्विरूक्ति दोष को प्रदर्शित करता है।

Scanned by CamScanner

www.targetstudyiq.com

6. जिसे अपनी जगह से अलग कर दिया गया हो, के लिये एक शब्द है

(a) विस्थापित (b) अवस्थापित

(c) संस्थापित (d) संस्थाजित

उत्तर (a)- 'जिसको अपनी जगह से अलग कर दिया गया हो', वाक्य के लिये एक शब्द 'विस्थापित' है।

7. 'बुरे उद्देश्य से की गयी गुप्त मंत्रणा' के लिये एक शब्द है

(a) दुरतिक्रम (b) दुरधिगम

(c) दुरभिसंधि (d) दुरभियोजन

उत्तर (c)-

वाक्य	एक शब्द
'बुरे उद्देश्य से की गई गुप्त मंत्रणा',–	दुरभिसंधि
'किसी को हानि पहुँचाने के लिये बनाई जाने वाली योजना –	दुरभियोजन
'जिससे पार पाना बहुत कठिन हो', –	दुरतिक्रम
'जिसके पार जाना बहुत कठिन हो',–	दुरधिगम

8. 'वह कन्या जिसके साथ विवाह का वचन दिया गया है'–के लिये एक शब्द है

(a) वाग्दत्ता (b) वाग्दान

(c) वाग्बद्ध (d) वाग्विदग्ध

उत्तर (a)-

वाक्य	एक शब्द
'वह कन्या जिसके साथ विवाह का वचन दिया गया है',–	वाग्दत्ता
'कन्या का विवाह कर देने का वचन देने की रस्म',–	वाग्दान
'जो अपने वचन को पूर्ण करता हो', –वाग्बद्ध	

नोट–'हिन्दी', डॉ0 हरदेव बाहरी की किताब में पृ0 सं0–149 पर वागदत्ता (वाग्दत्ता नहीं) शब्द का प्रयोग किया गया है।

9. 'ऐसी जीविका जिसका कुछ ठीक–ठिकाना न हो' के लिए एक शब्द है

(a) आकाश कुसुम (b) आकाशवृत्ति

(c) आकाश सलिल (d) आकाशफल

उत्तर (b)- 'ऐसी जीविका जिसका कुछ ठीक–ठिकाना न हो', वाक्य के लिये एक शब्द 'आकाशवृत्ति' है।

स्रोत–हिन्दी व्याकरण विमर्श, ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, पृ0सं0–197

10. मरणासन्न अवस्था वाला के लिए एक शब्द है

(a) मैमर्त्य (b) मुमूर्षु

(c) मृतगामी (d) निर्विकारी

उत्तर (c)- 'मरणासन्न अवस्था वाला' के लिए एक शब्द–'मृत्युगामी' तथा 'मर जाने की इच्छा या कामना', के लिए एक शब्द, 'मुमूर्षा' है।

स्रोत–हिन्दी : हरदेव बाहरी, पृ0सं0–147

11. "तैरने या पार होने का इच्छुक' के लिये एक शब्द है

(a) तैराक (b) तितीर्षु

(c) तारक (d) तारणक

उत्तर (b)- वाक्य 'तैरने या पार होने का इच्छुक' के लिए एक शब्द 'तितीर्षु' है। इसी प्रकार ' तैरने वाला',–तैराक; 'तैर कर पार कराने वाला',–'तारक' है।

स्रोत–'हिन्दी', डॉ0 हरदेव बाहरी, पृ0 सं0–141

12. 'चना' का तत्सम रूप है

(a) चणक (b) चणा

(c) चाणक (d) चणाक

उत्तर (a)- 'चना' का तत्सम रूप 'चणक' है। इसी प्रकार गेहूँ का गोधूम; धान का धान्य; ईख का इक्षु तथा 'जौ' का तत्सम शब्द 'यव' है।

स्रोत–हिन्दी, डॉ0 हरदेव बाहरी, पृ0सं0–100

13. तद्भव 'चबूतरा' का तत्सम रूप है

(a) चर्वतर (b) चर्वुतरा

(c) चार्वूतरा (d) चत्वाल

उत्तर (d)- तद्भव 'चबूतरा' का तत्सम रूप 'चत्वाल' है।

14. निम्नलिखित में से एक तद्भव शब्द है :

(a) पूंजी (b) नयन

(c) मूर्ख (d) शकुन

Scanned by CamScanner

www.targetstudyiq.com

उत्तर (a)-

तद्भव	तत्सम
पूंजी	पुंज
नैन	नयन
मूरख	मूर्ख
सगुन	शकुन

स्रोत–'हिन्दी', डॉ0 हरदेव बाहरी, पृ0सं0–104

15. 'बेंत' का तत्सम रूप है

(a) वेन्त (b) वेत्र
(c) वेन्त्र (d) वेंतृ

उत्तर (b)- बेंत का तत्सम रूप 'वेत्र' है

16. 'युद्ध की इच्छा रखने वाला' के लिये एक शब्द है

(a) योद्धा (b) युद्धरत
(c) युद्धवीर (d) युयुत्सु

उत्तर (d)-

वाक्य	एक शब्द
'युद्ध करने की प्रबल इच्छा',	युयुत्सा
'युद्ध की इच्छा रखने वाला',	युयुत्सु
'जो युद्ध करता हो',	योद्धा
'जो युद्ध में लिप्त हो',	युद्धरत
'जो युद्ध में प्रवीण या कुशल हो',	युद्धवीर

स्रोत–हिन्दी, डॉ0 हरदेव बाहरी, पृ0 सं0–148

17. एक तद्भव शब्द है

(a) पंजर (b) पंचाली
(c) पंडित (d) पंजीरी

उत्तर (d)- 'पंजीरी' एक तद्भव शब्द है। शेष विकल्प में दिये गये शब्द तत्सम् हैं।

18. एक तद्भव शब्द है

(a) अटल (b) आतुर
(c) अतिथि (d) अजिर

उत्तर (a)- 'अटल' एक तद्भव शब्द है। शेष विकल्प में दिये गये शब्द तत्सम् हैं।

19. 'ऊन' का तत्सम रूप है

(a) ऊन्य (b) ऊर्ण्य
(c) ऊरण (d) ऊर्ण

उत्तर (d)- 'ऊन' का तत्सम् रूप 'ऊर्ण' है।

20. 'थाली' का तत्सम रूप है

(a) स्थाली (b) थालिका
(c) थ्याली (d) थालि

उत्तर (a)- थाली का तत्सम् रूप 'स्थाली' या 'स्थाल' है। ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, पुस्तक हिन्दी व्याकरण विमर्श पृ0सं0 28 पर थाली का तत्सम् शब्द 'स्थाल' है।

21. 'जामुन' का तत्सम रूप है

(a) यामुन (b) यामुण
(c) जंबु (d) जांबूण

उत्तर (c)- 'जामुन' का तत्सम् रूप 'जंबु' है। 'जमुना' का तत्सम रूप 'यमुना' है।

22. एक तत्साम शब्द है

(a) अनहित (b) विनती
(c) डाकिनी (d) अटारी

उत्तर (c)-

तद्भव	तत्सम्
विनती	विनति
डायन/डाइन	डाकिनी
अटारी	अट्टालिका

स्रोत–'हिन्दी', डॉ0 हरदेव बाहरी, पृ0सं0–101

23. 'इन्द्रिय' का विशेषण शब्द है

(a) इन्द्रीय (b) इन्द्रिक
(c) ऐन्द्रि (d) ऐन्द्रिय

उत्तर (d)- 'इन्द्रिय' का विशेषण शब्द –'ऐन्द्रिय' है। 'इन्द्र', का विशेषण 'ऐन्द्र', है।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ0 वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ0सं0–170

24. एक वाक्य में विशेषण का प्रयोग नहीं हुआ है

(a) वह विद्यार्थी है। (b) वह लड़का विद्यार्थी है।
(c) वह प्रबुद्ध विद्यार्थी है। (d) वह परिश्रमी भी है।

Scanned by CamScanner

उत्तर (a)- विकल्प–b, c और d में 'वह' का प्रयोग सार्वनामिक विशेषण के रूप में किया गया है जबकि विकल्प a में 'वह' शब्द का प्रयोग केवल 'सर्वनाम' के रूप में किया गया है। इसमें विशेषण का प्रयोग नहीं हैं।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ0 वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ0सं0–115

25. एक विशेषण शब्द नहीं है

(a) लजीला (b) लाडला

(c) लांछन (d) लापता

उत्तर (c)- 'लांछन' का अर्थ 'दाग', 'धब्बा', 'कलंक' आदि होता है, यह विशेषण नहीं है। जबकि 'लाड' से बना शब्द लाडला; 'लाज' से बना शब्द 'लजीला' तथा 'लापता' विशेषण है। जो संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बताए, उसे 'विशेषण' कहते हैं। जिसकी विशेषता बताई जाए, वह 'विशेष्य' कहलाता है। 'विशेषण', लगने से संज्ञा की व्याप्ति सीमित होती है।

26. 'युद्ध देखकर अशोक का कठोर हृदय मोम जैसा पिघल गया'–वाक्य में विशेष्य है

(a) कठोर (b) अशोक

(c) हृदय (d) मोम

उत्तर (c)- उपर्युक्त वाक्य में 'हृदय' की विशेषता बतायी गयी है कि 'हृदय', कठोर है अर्थात हृदय विशेष्य और 'कठोर' उसका विशेषण हुआ। हृदय के साथ प्रयुक्त होने वाले विशेषण शब्द–कलुषित, तरूण, निर्मम, क्षुब्ध, विशाल, सदय, स्निग्ध आदि हैं।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ0 वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ0सं0–177

27. निम्नलिखित शब्दों में से एक विशेषण नहीं है

(a) श्रव्य (b) सर्व

(c) गर्व (d) भव्य

उत्तर (c)- 'गर्व', शब्द विशेष्य है, गर्व से बना विशेषण शब्द 'गर्वीला' है।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ0 वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ0सं0–172

28. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द है :

(a) लाघव (b) महत्त्व

(c) लघुता (d) महत्

उत्तर (*)- उपर्युक्त विकल्पों में 'लाघव,' (लघु से बना विशेषण) तथा 'महत्' दोनों शब्द विशेषण हैं। अतः विकल्प a तथा d दोनों सही है।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ0 वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ0सं0–170

29. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द नहीं है :

(a) बहुरूपिया (b) बातूनी

(c) बादामी (d) बांका

उत्तर (*)- उपर्युक्त विकल्पों को इनके विशेष्यों के साथ सुमेलित करने पर सभी शब्द 'विशेषण' प्रतीत होते हैं अतः एक भी विकल्प सही नहीं है।

30. 'भक्त की करुण पुकार सुनकर भक्त–वत्सल भगवान दयार्द्र हो उठे'–वाक्य में प्रयुक्त विशेष्यों की दृष्टि से कौन सा युग्म शुद्ध है ?

(a) भक्त तथा भगवान् (b) करुण तथा दयार्द्र

(c) भक्त–वत्सल तथा भगवान् (d) पुकार तथा भगवान्

उत्तर (d)- उपर्युक्त वाक्य में 'पुकार' विशेष्य के लिये 'करुण', विशेषण तथा 'भगवान', विशेष्य शब्द के लिये 'भक्त–वत्सल', विशेषण शब्द का प्रयोग किया जाता है। अतः 'पुकार', तथा 'भगवान', विशेष्य है।

31. 'भोले बालक ने क्रूर डाकू के कठोर हृदय में कोमल भावना जगा दी'–वाक्य में कितने विशेष्य हैं ?

(a) चार (b) तीन

(c) दो (d) छः

उत्तर (a)- उपर्युक्त वाक्य के अनुसार विशेषण–विशेष्य को सुमेलित करने पर–

विशेषण	विशेष्य
भोले	बालक
क्रूर	डाकू
कठोर	हृदय
कोमल	भावना

www.targetstudyiq.com

Scanned by CamScanner

32. निम्नलिखित में से एक विशेषण शब्द नहीं है :

(a) वरदान (b) वरद

(c) वरदायक (d) वरणीय

उत्तर (a)- 'वरदान' विशेषण शब्द नहीं है, वरदान का विशेषण 'वरदानी', अथवा 'वरद' है।

33. निम्नलिखित शब्दों में से एक शब्द 'शंकर' का पर्यायवाची नहीं है :

(a) ललाटाक्ष (b) गंगाधर

(c) त्रिलोचन (d) शशधर

उत्तर (d)- 'शशधर' शब्द 'शंकर' का पर्यायवाची नहीं बल्कि 'चन्द्रमा', का पर्यायवाची है। शंकर का पर्यायवाची शब्द 'शशिधर' है।

'शंकर' का पर्यायवाची है– शिव, चंद्रमौलि, मदनारि, चंद्रशेखर, उमापति, शंभु, महेश, शशिधर, कैलाशपति, गंगाधर, ललाटाक्ष, त्रिलोचन आदि है।

स्रोत–हिन्दी–हरदेव बाहरी, पृ०सं०–35

34. निम्नलिखित में से एक शब्द 'आम' का पर्यायवाची नहीं है :

(a) अतिसौरभ (b) सहकार

(c) अंबु (d) रसाल

उत्तर (c)- 'अंबु' शब्द 'आम', का नहीं बल्कि 'पानी', का पर्यायवाची शब्द है। 'आम' के पर्यायवाची शब्द–अतिसौरभ,सहकार,रसाल, आम्र, अमृत फल, च्युत आदि हैं। इसी प्रकार जल का पर्यायवाची–अंबु, नीर, सलिल, मेघपुष्प, उदक, तोय, जीवन, वारि, पय, अमृत आदि हैं।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ० वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ०सं०–227

35. पर्यायवाची की दृष्टि से एक वर्ग शुद्ध है

(a) सिंह, पंचानन, नाहर, मृगारि

(b) सूर्य, रवि, दिनकर, तरणी

(c) अग्नि, पावक, अनल, पिशुन

(d) महेश, रमेश, भूतेश, सतीश

उत्तर (a)- 'सिंह' का पर्यायवाची–पंचानन, नाहर, मृगारि, शार्दूल व्याघ्र, पंचमुख, मृगराज, मृगेन्द्र, केशरी, केहरी, केशी, महावीर आदि हैं। विकल्प–b, सूर्य के पर्यायवाची क्रम में, 'तरणी' शब्द 'नाव', का पर्यायवाची है। विकल्प–c, अग्नि के पर्यायवाची क्रम में 'पिशुन' शब्द 'कौआ' का पर्यायवाची है। विकल्प–d, ईश्वर के पर्यायवाची क्रम में 'भूतेश' 'राजा' का पर्यायवाची शब्द है।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ० वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ०सं०–229

36. निम्नलिखित में से एक 'पत्थर' का पर्यायवाची नहीं है:

(a) प्रस्तर (b) उपल

(c) पशम (d) पाहन

उत्तर (c)- 'पशम' शब्द 'पत्थर' का पर्यायवाची नहीं है। पत्थर का पर्यायवाची शब्द–प्रस्तर, उपल, पाहन, पाषाण, अश्म, संग आदि है।

स्रोत–'हिन्दी', हरदेव बाहरी, पृ०सं० 19

37. एक 'यमुना' का पर्यायवाची नहीं है

(a) रविजा (b) तनूजा

(c) सूर्यजा (d) अर्कजा

उत्तर (b)- 'तनूजा' शब्द पुत्री का पर्यायवाची है। रविजा, सूर्यजा, अर्कजा, कालिन्दी, कृष्णा, सूर्यसुता, सूर्यतयनया (सूर्य की पुत्री), कालगंगा आदि यमुना का पर्यायवाची है।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ० वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ०सं०–228

38. निम्नलिखित में से एक 'समुद्र' का पर्यायवाची शब्द नहीं है :

(a) जलधि (b) जलधाम

(c) जलनिधि (d) जलाधिप

उत्तर (d)- 'जलाधिप', 'वरुण' का पर्यायवाची है। शेष जलधि, जलधाम, जलनिधि, सागर, पारावार, सिन्धु, नदीश, पयोधि, अर्णव, अब्धि, रत्नाकर आदि समुद्र का पर्यायवाची है।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ०सं०–228

www.targetstudyiq.com

Scanned by CamScanner

39. निम्नलिखित में से एक 'नदी' का पर्यायवाची शब्द नहीं है :

(a) निम्नगा (b) त्रिपथगा

(c) कूलंकषा (d) कूलवती

उत्तर (b)- 'त्रिपथगा', शब्द गंगा का पर्यायवाची है। शेष निम्नगा, कूलकषा, कूलवती, आपगा, निर्झरिणी, तरंगिणी, तटिनी, सरिता आदि शब्द 'नदी' के पर्यायवाची हैं।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, वासुदेवनन्दन प्रसाद पृ0सं0–228

40. निम्नलिखित में से एक 'विष्णु' का पर्यायवाची शब्द नहीं है :

(a) कमलेश (b) कमलाकान्त

(c) कमलापति (d) कमलासन

उत्तर (d)- 'कमलासन', विधि, विधाता, लोकेश, हिरण्यगर्भ, स्वयंभू, चतुरानन आत्मभू आदि शब्द 'ब्रह्म', के पर्यायवाची शब्द हैं। 'विष्णु'– कमलेश, कमलाकान्त, कमलापति, विभु, विश्वरूप, गोविन्द, दामोदर, ऋषिकेश, मुकुन्द, विश्वम्भर, अच्युत, गरूणध्वज, चक्रपाणि आदि पर्यायवाची शब्द हैं।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ0सं0–228

41. निम्नलिखित में से एक 'स्वर्ण' का पर्यायवाची शब्द नहीं है :

(a) हेम (b) हाटक

(c) हिरण्या (d) कलधौत

उत्तर (c)- स्वर्ण का पर्यायवाची 'हिरण्या' नहीं है। 'स्वर्ण'–हिरण्य हेम, हाटक, कलधौत, कंचन, कनक, जातरूप, सुवर्ण आदि पर्यायवाची शब्द हैं।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ0सं0–228

42. पर्यायवाची की दृष्टि से एक वर्ग शुद्ध है

(a) इन्द्र, रतीश, सहस्राक्ष, मघवा

(b) घर, निकेतन, आयतन, निलय

(c) यमुना, कालिन्दी, भानुतनया, जाह्नवी

(d) वस्त्र, पाटक, अम्बर, चीर

उत्तर (b)- विकल्प a में 'रतीश' शब्द कामदेव का पर्यायवाची शब्द है। अन्य 'इन्द्र' के पर्यायवाची शब्द हैं। विकल्प–सी में 'यमुना', के पर्यायवाची क्रम में 'जाह्नवी', शब्द गंगा का पर्यायवाची है। इसी प्रकार 'वस्त्र' के पर्यायवाची क्रम में 'पाटक' शब्द का अर्थ 'छेदक' से है।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ0सं0–227, 228

43. 'व्यष्टि' का विपरीतार्थक शब्द है

(a) समास (b) समवेत

(c) समष्टि (d) समस्त

उत्तर (c)-

शब्द	विलोम
व्यष्टि	समष्टि
समास	व्यास
समवेत	असमवेत
समस्त	असमस्त / कुछ

44. 'उपमेय' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है

(a) अनुपमेय (b) अतुलनीय

(c) अनुपम (d) अनुपमित

उत्तर (a)-

शब्द	विलोम
उपमेय	अनुपमेय
तुलनीय	अतुलनीय
अननुपम	अनुपम
उपमित	अनुपमित

45. 'सुलभ' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है

(a) दुष्प्राप्य (b) अलब्ध

(c) अप्राप्य (d) दुर्लभ

उत्तर (d)-

शब्द	विलोम
सुलभ	दुर्लभ
सुप्राप्य	दुष्प्राप्य
लब्ध	अलब्ध
प्राप्य	अप्राप्य

www.targetstudy.com

Scanned by CamScanner

www.targetstudyig.com

46. 'दीर्घायु' का विलोम होगा

(a) चिरायु (b) अल्पायु
(c) नश्वर (d) क्षणिक

उत्तर (b)- 'दीर्घायु' का विलोम 'अल्पायु' होगा। 'नश्वर' का विलोम शब्द 'शाश्वत' होगा।

47. 'तृष्णा' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है

(a) वितृष्णा (b) निस्पृह
(c) संतुष्टि (d) वितृप्त

उत्तर (a)- 'तृष्णा' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'वितृष्णा' है।

48. 'निषिद्ध' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है

(a) निश्चित (b) विहित
(c) उचित (d) निर्मित

उत्तर (b)- 'निषिद्ध', का सर्वथा उपर्युक्त विपरीतार्थक शब्द विहित है।

49. 'भूगोल' का विपरीतार्थक शब्द है

(a) इतिहास (b) अंतरिक्ष
(c) ध्रुवगोल (d) खगोल

उत्तर (d)- 'भूगोल' का विपरीतार्थक शब्द 'खगोल' है।

50. 'सहयोगी' का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है

(a) प्रतियोगी (b) प्रतिद्वन्द्वी
(c) प्रतिरोधी (d) प्रतिकूल

उत्तर (a)-'सहयोगी', का सर्वथा उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'प्रतियोगी', है। 'अनुकूल' का विलोम 'प्रतिकूल' है।

51. 'जोड़' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द है

(a) गुणा (b) भाग
(c) घटाव (d) बाकी

उत्तर (c)
'जोड़', का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'घटाव' है। 'गुणा' का विलोम शब्द भाग है।

52. एक की वर्तनी शुद्ध है

(a) उनन्यन (b) उन्नयन
(c) उन्यन (d) उन्न्यन

उत्तर (b)-शुद्ध वर्तनी शब्द 'उन्नयन' है।

53. एक की वर्तनी शुद्ध है

(a) आविष्कार (b) देवार्षि
(c) निशब्द (d) जमाता

उत्तर (a)- शुद्ध वर्तनी शब्द 'आविष्कार', है। शेष शब्दों के शुद्ध वर्तनी रूप है–देवर्षि, निःशब्द, जामाता।

54. एक की वर्तनी शुद्ध है

(a) खिवैया (b) न्योछावर
(c) अनन्नास (d) निर्पेक्ष

उत्तर (c)- शुद्ध वर्तनी शब्द 'अनन्नास' है। शेष शब्दों का शुद्ध वर्तनी रूप–खेवैया, न्यौछावर; 'निरपेक्ष', है।

55. एक की वर्तनी शुद्ध है

(a) षट्दर्शन (b) अनापेक्षित
(c) किलिष्ट (d) पर्यवसान

उत्तर (d)- शुद्ध वर्तनी शब्द 'पर्यवसान', है। शेष विकल्पों का शुद्ध वर्तनी रूप – अनपेक्षित, क्लिष्ट, 'षड्दर्शन' है।

56. 'पोषक' का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द होगा

(a) चूषण (b) अनपोषक
(c) शोषक (d) क्षीणकारी

उत्तर (c) - 'पोषक', का उपयुक्त विपरीतार्थक शब्द 'शोषक' होगा।

57. एक वाक्य शुद्ध है

(a) यह तो अच्छा हुआ कि चोरों का पदार्पण होते ही मैं जाग गया।
(b) अच्छे लेखन के लिये शब्द संयम आवश्यक है।
(c) कक्ष में असंख्य जनसमूह उपस्थित था।
(d) 'रामचरित मानस' तुलसी की सबसे सुन्दरतम कृति है।

उत्तर (b) - विकल्प a वाक्य में प्रयुक्त चोरों का 'पदार्पण' में शब्द चयन की अशुद्धि है। 'पदार्पण' शब्द का प्रयोग 'सज्जन' के संदर्भ में किया जाता है। विकल्प–c में 'असंख्य जनसमूह' में 'असंख्य' शब्द का प्रयोग असंगत है। विकल्प–d में 'सबसे', 'सुन्दरतम्' में से किसी एक का प्रयोग किया जाना चाहिए।

Scanned by CamScanner

58. एक वाक्य शुद्ध है

(a) खेत जोतने के पारम्परिक उपादान हल का स्थान अब ट्रैक्टर ने ले लिया है।

(b) निरपराधी के विरुद्ध दंडनात्मक कार्यवाही का किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है।

(c) श्रीमती रेड्डी जिस स्तर की नृत्यांगना हैं उनके पति उस स्तर के नृत्यांगन नहीं है।

(d) शिक्षा प्रणाली जनोपयोगी होनी चाहिए।

उत्तर (d) - विकल्प a के वाक्य में 'उपादान', शब्द के स्थान पर 'साधन', शब्द; विकल्प b में 'निरपराधी' शब्द के स्थान पर 'निरपराध' शब्द; तथा विकल्प c में 'नृत्यांगन' शब्द के स्थान पर 'नर्तक' शब्द का प्रयोग किया जाना चाहिए।

59. एक वाक्य शुद्ध है

(a) पर्वतीय प्रदेश में प्रातःकाल का दृश्य बहुत चित्ताकर्षक होता है।

(b) प्रत्येक धर्म के लिए अच्छा सद्भाव रखना हमारा कर्त्तव्य है

(c) मेरे वेतन का अधिकांश भाग बच्चों की पढ़ाई में ही खर्च हो जाता है।

(d) इस बात का स्पष्टीकरण करना आवश्यक है।

उत्तर (a) - विकल्प b के वाक्य में 'अच्छा' या सद्भाव; विकल्प c में 'अधिकांश' अथवा भाग में से किसी एक शब्द का प्रयोग किया जाना चाहिए। इन दोनों वाक्यों में 'शब्द' द्विरुक्ति दोष है। विकल्प d–में 'स्पष्टीकरण' स्वयं में कर्तृकारक शब्द है जहाँ 'करना' शब्द का प्रयोग असंगत है।

स्रोत–व्याकरण–विमर्श, ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह, पृ.सं0–152

60. एक की वर्तनी शुद्ध है

(a) राज्य महल (b) कोमलांगिनी

(c) निरोग (d) अक्षौहिणी

उत्तर (d) - शुद्ध वर्तनी शब्द 'अक्षौहिणी', है। शेष विकल्पों के शुद्ध वर्तनी रूप–राजमहल, कोमलांगी, नीरोग हैं।

स्रोत–आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना, डॉ0 वासुदेवनन्दन प्रसाद, पृ0सं0–52

www.targetstudyiq.com

Scanned by CamScanner